सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 184 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 12 अगस्त, 2022
मूल्य ₹ 3/-

जीवन की लम्बाई नहीं, गहराई मायने रखती है।
-राल्फ वाल्डो इमर्सन

भाजपा कौन होती है देशभक्ति... 2 | नीतीश और मायावती का सियासी... 3 | प्रदेश का हर विभाग भ्रष्टाचार... 7

विपक्ष को एकजुट करेंगे नीतीश दिल्ली पहुंचे तेजस्वी

बिहार के सीएम बोले, ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग करने वालों को समझाएगी जनता

मंत्रिमंडल गठन पर सोनिया गांधी और लालू प्रसाद यादव से आज हो सकती है चर्चा

» नामों की सूची लेकर पहुंचे हैं डिप्टी सीएम तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में महागठबंधन के साथ सरकार बनाने के बाद सीएम नीतीश कुमार ने 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में भाजपा से दो-दो हाथ करने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि वे अब विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम करेंगे और जो ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग करेगा जनता उसे समझा देगी। वहीं बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव मंत्रिमंडल गठन पर मंथन करने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। यहां वे राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से चर्चा करेंगे। माना जा रहा है कि इसके बाद ही मंत्रिमंडल पर अंतिम मुहर लगेगी।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि वह अभी पीएम पद के उम्मीदवार नहीं हैं लेकिन विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम जरूर करेंगे। विपक्षी दलों से बहुत लोगों के फोन आ रहे हैं। हम चाहेंगे सभी विपक्षी दल एकसाथ आएं। उन्होंने कहा कि जब हमारी सीटें विधान सभा चुनाव में कम हुईं तो हम सीएम नहीं बनना चाहते थे लेकिन भाजपा की बात मानकर सीएम बन गए लेकिन स्थिति ऐसी आ गई कि हमारे साथ के सभी लोग कहने लगे कि हमें एनडीए छोड़ना चाहिए। आज देश की स्थिति अच्छी नहीं है। आरसीपी सिंह को लेकर किए सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्होंने अच्छा नहीं किया। उन्होंने दल के हित में काम नहीं किया। बहुत गड़बड़ कर दिया है। हमने उन्हें बहुत सम्मान दिया। गौरतलब है कि बिहार में एनडीए को छोड़कर नीतीश कुमार ने महागठबंधन के साथ सरकार बनाई है, जिसमें राजद, कांग्रेस और सीपीआई आदि शामिल हैं। तेजस्वी यादव डिप्टी सीएम बने हैं। कैबिनेट के गठन पर तेजस्वी यादव राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगे। बिहार कैबिनेट में जदयू को 11 से 13 मंत्री मिल सकते हैं। इनमें उपेंद्र कुशवाह को भी शामिल किया जा सकता है। वहीं, राजद के खाते में 20 पद आ सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस को 4, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को एक और निर्दलीय को एक स्थान मिल सकता है।

कांग्रेस में हलचल तेज

बिहार में सत्ता के फेरबदल के बाद अब कैबिनेट गठन को लेकर कांग्रेस में भी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस के नेताओं ने राजधानी दिल्ली का रुख करना शुरू कर दिया है। खबर है कि कांग्रेस को बिहार कैबिनेट में 4 पद मिल सकते हैं। कैबिनेट में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, विधायक दल के नेता अजीत शर्मा, विजय शंकर दुबे और शकील अहमद के नाम आगे चल रहे हैं।

तेजप्रताप को भी मिल सकती कैबिनेट में जगह

कहा जा रहा है कि महागठबंधन की सरकार में तेजस्वी के बड़े भाई तेजप्रताप यादव को भी जगह मिल सकती है। उनके अलावा राजद की तरफ से आलोक मेहता, अनीता देवी, शहनवाज आलम, ललित यादव, चंद्र शेखर, कुमार सर्वजीत और अनिल साहनी के नामों की चर्चा है। चर्चा यह भी है कि गृहमंत्रालय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही संभाल सकते हैं।

बांदा नाव हादसा: सीएम योगी ने मौके पर भेजे दो मंत्री, मुआवजे का ऐलान

» यमुना नदी में नाव पलटने से चार की मौत, 17 लापता

» एनडीआरएफ और एसटीआरएफ की टीम तलाश में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांदा। बांदा में गुरुवार को यमुना की बीच धारा में अचानक नाव पलट जाने से बड़ा हादसा हुआ। नाव पर सवार चार लोगों की मौत हो गई जबकि 17 अन्य लापता हैं। सर्च अभियान अभी जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए अपने दो मंत्रियों को मौके पर भेजा है। साथ ही मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख की राहत राशि देने का ऐलान किया है।

बांदा नाव हादसे में लापता 17 लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। 30 सदस्यीय एनडीआरएफ और एसटीआरएफ की टीम लापता लोगों की तलाश कर रही है। एसपी अभिनंदन ने बताया कि 30-35 लोगों से भरी एक नाव मरका थाना क्षेत्र के यमुना घाट से फतेहपुर जिले के जरौली घाट जा रही थी तभी बीच जलधारा में पलट गई। अब तक चार लोगों के शव नदी से निकाले जा चुके हैं। नाव चालक को हिरासत में लिया गया है। मृतकों में दो महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। हादसे में 13 लोगों को बचा लिया गया है। सीएम योगी ने दो मंत्रियों रामकेश निषाद और राकेश सचान को घटनास्थल पर तत्काल पहुंचने के निर्देश दिए हैं। मंत्री रामकेश निषाद मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली है।

दिल्ली को दहलाने की साजिश नाकाम

भारी मात्रा में कारतूस और गोला-बारूद बरामद

» 15 अगस्त से पहले बड़ी साजिश का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार, अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 15 अगस्त से पहले दिल्ली पुलिस ने भारी मात्रा में कारतूस और गोला-बारूद बरामद किया है। इस मामले में 6 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

दिल्ली पुलिस ने छापेमारी के दौरान लगभग 2000 जिंदा कारतूस और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। आनंद विहार इलाके से इसे बरामद किया गया है। पुलिस का मानना है कि 15 अगस्त से ठीक पहले दिल्ली में आरोपी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इससे पहले आईबी ने एक रिपोर्ट जारी कर दिल्ली पुलिस को सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिये थे। इसी महीने आईबी ने एक खुफिया रिपोर्ट में बताया था कि आतंकवादी 15 अगस्त को आतंकी हमला कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने भी सतर्कता बरतते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

यूपी की तरह बंगाल व तेलंगाना को मजबूत करेंगे सुनील बंसल

» सुनील बंसल और कर्मवीर को पदोन्नति के साथ मिली नई जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल को पदोन्नत कर पार्टी का राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। वहीं झारखंड के महामंत्री संगठन धर्मपाल को उत्तर प्रदेश में पार्टी का महामंत्री संगठन नियुक्त किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने महामंत्री संगठनों के तबादलों के आदेश जारी किए। उत्तर प्रदेश के सह संगठन मंत्री कर्मवीर को झारखंड में महामंत्री संगठन नियुक्त किया है। प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल को पदोन्नत कर राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। बंसल को पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और उड़ीसा का प्रभारी भी नियुक्त किया है।

अब वे यूपी की तरह ही इन तीनों राज्यों में भाजपा की मजबूती का काम करेंगे। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व जानता है कि इन तीन राज्यों में बंसल ही बढ़त दिला सकते हैं। इसी वजह से उनको पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और उड़ीसा की जिम्मेदारी सौंपी है। तेलंगाना में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। बीजेपी तेलंगाना को जीतने के लिये कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। इसके लिये उन्हें स्ट्रेटजी मेकर नेता की जरूरत है। ऐसे में बीजेपी के लिए सफल रणनीतिकार के रूप में

सुनील बंसल स्वाभाविक विकल्प साबित हुए हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर पार्टी उत्तर भारतीय राज्यों से संभावित नुकसान की भरपाई दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों से करना चाहती है। इसलिए बंसल को तेलंगाना, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया। बिजनौर के मूल निवासी धर्मपाल 1990 से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्णकालिक रहे। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के संयुक्त क्षेत्रीय संगठन मंत्री रहे। उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, ब्रज और पूर्वी उत्तर प्रदेश के अभाविप संगठन मंत्री रहे। जुलाई 2017 में उन्हें झारखंड में भाजपा का महामंत्री संगठन नियुक्त किया गया था। बिहार विधानसभा चुनाव 2020, असम विधानसभा चुनाव 2021 और 2022 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी धर्मपाल को चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में 50 फीसदी से अधिक वोट हासिल करने और 75 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। ऐसे में धर्मपाल सिंह को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि संभवत: स्वतंत्रता दिवस के बाद प्रदेश अध्यक्ष के नाम की भी घोषणा की जाएगी। खासतौर से 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की पुख्ता तैयारियों के लिए अभी दो से तीन और अहम निर्णय लिए जाएंगे। अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर ही उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को स्वतंत्र देव की जगह विधान परिषद में नेता सदन बनाया गया है।

धर्मपाल सिंह बने यूपी बीजेपी के संगठन महामंत्री

सुनील बंसल के जाने के बाद धर्मपाल सिंह को यूपी बीजेपी के संगठन महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। धर्मपाल सिंह अब तक झारखंड के संगठन महामंत्री थे। धर्मपाल विद्यार्थी परिषद के यूपी-उत्तराखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री रहे हैं। धर्मपाल सिंह पिछड़े समाज से हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पुराने नेता रहे हैं और बिजनौर के नगीना के हैं। धर्मपाल सिंह ने सरकारी नौकरी छोड़कर एबीवीपी जॉइन की थी। लेकिन अब पार्टी ने झारखंड के संगठन महामंत्री से सीधे देश के सबसे बड़े राज्य यूपी के संगठन का जिम्मा दिया गया है। धर्मपाल सिंह के झारखंड से यूपी लाए जाने के बाद यूपी के सह संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह को झारखंड का संगठन महामंत्री नियुक्त किया गया है।

लंदन उच्चायुक्त में झंडा फहराएंगे सांसद रवि किशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। सांसद रविकिशन इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस लंदन स्थित भारतीय उच्चायुक्त कार्यालय में झंडारोहण करके मनाएंगे। वह आजादी का अमृत महोत्सव के तहत वहां आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। जानकारी देते हुए सांसद ने कहा कि लदंन के उच्चायुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में तिरंगा फहराना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में स्वतंत्रता दिवस के दिन नेवी शिप तरंगिनी कार्यक्रम आयोजित किया जाना है, जिसमें शामिल होने का आमंत्रण उन्हें प्राप्त हुआ है। स्वतंत्रता सप्ताह के पहले दिन ही 4725 रेलकर्मियों के घर झंडा फहर गया।

21 रेलवे स्टेशनों पर तिरंगा लहराने लगा है। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने 46816 रेल कर्मचारियों को तिरंगा झंडा उपलब्ध करा दिया है। आजादी की 75वीं वर्षगांठ 15 अगस्त तक सभी घरों और रेलवे स्टेशनों पर तिरंगा झंडा लहराने लगेगा। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के अनुसार पूर्वोत्तर रेलवे के 21 प्रमुख स्टेशनों पर 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहे हैं। अन्य सभी रेलवे स्टेशनों पर भी तिरंगा प्रमुखता से फहराए जाने का क्रम जारी है। पूर्वोत्तर रेलवे में 256 इंजनों में तिरंगा के स्टीकर लगाए गए हैं। 2688 कोचों में 'आजादी के अमृत महोत्सव' का लोगों वाले स्टीकर लगाए गए हैं। 173 स्टेशनों पर 224 डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से 'हर घर तिरंगा' पर आधारित क्रियेटिव डिस्प्ले प्रदर्शित किए जा रहे हैं। 148 पोस्टरों, बैनरों एवं स्टीकरों के माध्यमों से लोगों को 'हर घर तिरंगा' के बेवसाइट की जानकारी दी जा रही है। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम पूरी भव्यता से आयोजित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के स्टेशनों, इंजनों, गाड़ियों के कोचों, सरकारी भवनों, प्रतिष्ठानों, रेलकर्मियों के आवासों आदि पर तिरंगा फहराया जा रहा है।

बिहार से जातिवार जनगणना की शुरुआत कराएं नीतीश : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के तलाक मिलने के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर अपनी पार्टी के विस्तार में लगे हैं। उनका बसपा की ओर झुकाव होने के बाद जब मायावती के कोई रूचि ना लेने के साथ ही गठबंधन से इंकार करने पर अब राजभर नई राह की तलाश में हैं। इसी दौरान उन्होंने नीतीश कुमार से बिहार में जातिवार जनगणना की मांग की है।

ओमप्रकाश राजभर ने अपनी मांग को लेकर एक वीडियो जारी किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में तो अब महागठबंधन की सरकार बन गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब बिहार से जातिवार जनगणना की शुरुआत कराएं। राजभर ने कहा कि जेडीयू, आरजेडी और कांग्रेस तो भाजपा को जातिगत जनगणना में बाधक बताते थे, मगर अब इन सभी पार्टियों की सरकार है तो उनको जाति जनगणना कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की नई सरकार को अब जाति जनगणना शुरू कर देना चाहिए। इस मामले में सभी भाजपा को बाधक बताते थे, लेकिन अब तो बिहार में जेडीयू, आरजेडी और कांग्रेस की सरकार है। अब इन सभी पार्टियों की सरकार है तो उन्हें जाति जनगणना जल्द शुरू कर देना चाहिए।

फोटो :4पीएम

तिरंगा यात्रा राजधानी लखनऊ में नगर निगम द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत तिरंगा यात्रा का शुभारंभ 1090 चौराहे से किया गया। नगर विकास मंत्री एके शर्मा, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र और महापौर संयुक्ता भाटिया ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इसी कड़ी में पश्चिम मंडल एक में भी अभियान के तहत घरों पर झंडा फहराया गया। लोगों ने भारत माता के जयकारे लगाए।

भाजपा कौन होती है देशभक्ति का पैमाना नापने वाली : रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के घरों में झंडा फहराने के बयान पर विपक्ष ने निशाना साधा है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि किसी की देश भक्ति का पैमाना नापने वाली भाजपा कौन होती है। यदि तिरंगा झंडा घर पर फहराना ही राष्ट्रभक्ति कहलाती है तो फिर उनके निकटवर्ती तो कई लोग व संगठन रहे हैं, जिन्होंने तिरंगा वर्षों तक नहीं फहराया। शायद इसके लिए वह आज भी संकोच करते हैं।

पूर्व सीएम ने कहा कि देश में 42 करोड़ लोग गरीबी की रेखा के नीचे हैं। 50 करोड़ से अधिक ऐसे हैं, जिनके लिए हर दिन की रोटी जुटाने का सवाल है। इस संख्या में 37 करोड़ लोग तो भाजपा के शासनकाल में पिछले साढ़े सात वर्षों में गरीबी की रेखा से नीचे गए हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि इस तरह के लोगों के पास कहां से झंडा और डंडा खरीदने के लिए पैसा आएगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि संघ ने अपने कार्यालय में 51 साल तक झंडा नहीं फहराया। तीन लड़कों ने जब उनके कार्यालय में झंडा फहराया तो उन लड़कों को इस पर 2013 तक मुकदमा झेलना पड़ा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का बयान बचकाना है। भाजपा प्रदेश की जनता के साथ खिलवाड़ कर रही है।

नीतीश और मायावती का सियासी सफर एक जैसा

बिहार-यूपी में जब इन दोनों को मौका मिला, बदल लिया पाला

» यूपी की राजनीति में बसपा सुप्रीमो मायावती की अलग पहचान

चेतन गुप्ता

लखनऊ। बिहार की राजनीति में उलटफेर ने सबको चौंका दिया है। पड़ोसी राज्य की सियासी हवाओं ने एक बार फिर देश की राजनीति में नए समीकरणों को जन्म दे दिया है। नीतीश कुमार के सियासी सफर पर नजर डालें तो उन्हें जब मौका मिला, पाला बदल लिया। यही हाल यूपी में बसपा सुप्रीमो मायावती का भी रहा। उन्होंने भी पिछले कई दशकों में पाला बदलने में गुरेज नहीं किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का समर्थन कर मायावती ने यह साफ कर दिया कि वे पीछे के दरवाजे से भाजपा का समर्थन करती रहेगी और आने वाले समय में मौका देख कभी भी राजनीतिक करवट बदल सकती है।

यूपी की सियासत में वैसे तो पलटी मारने के कई घटनाक्रम हुए हैं पर बीते तीन दशकों के राजनीतिक सफर पर नजर डालें तो बहुजन समाज पार्टी ही ऐसा सबसे बड़ा दल उभरकर सामने आता है, जिसने कमोबेश सभी सियासी दलों सपा, कांग्रेस और भाजपा से गठबंधन किए। इसके बावजूद ऐन वक्त पर पलटी मार कर अपने राजनीतिक हित साधने में कोई कोताही नहीं की। यह बात दीगर है कि पार्टी ने हर बार कोई न कोई नया तर्क गढ़ा और साथी दल पर ठीकरा फोड़ दिया। मायावती की पार्टी बसपा ने सपा से वर्ष 1993 में गठबंधन किया। बसपा संस्थापक कांशीराम और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने यूपी की राजनीति में नब्बे के दशक में गठबंधन का एक ऐसा काकटेल तैयार किया, जिससे अन्य दलों के पसीने छूट गए। पिछड़ों और एससी-एसटी वोट बैंक को केंद्रित इस गठबंधन ने यूपी की राजनीति में हलचल मचा दी। सत्ता में गठबंधन आया तो जरूर लेकिन 1995 में स्टेट गेस्ट हाउस कांड के बाद टूट गया। सपा से नाता तोड़ मायावती भाजपा से गठबंधन कर पहली बार 3 जून 1995 को मुख्यमंत्री बनीं लेकिन भाजपा से उनका साथ ज्यादा समय नहीं चला। मध्यावधि चुनाव हो गए। उसके बाद जब किसी को बहुमत नहीं मिला तो सरकार बनाने के लिए फिर भाजपा व बसपा साथ आए। तय हुआ था कि बसपा और भाजपा का मुख्यमंत्री छह-छह माह रहेगा। कल्याण सिंह हालांकि इसके लिए राजी नहीं थे, फिर भी उन्होंने सहमति के चलते भाजपा नेतृत्व या यूं कहें अटल बिहारी वाजपेयी की बात मानी लेकिन बसपा बीच में पलटी मार गई। बाद में सरकार बचाने के लिए कल्याण सिंह ने कांग्रेस और अन्य छोटे दलों के नेताओं की मदद से खासी मशक्कत कर सरकार बनाई। मायावती ने इस बार बहाना बनाया कि दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने भाजपा को दलित विरोधी बनाते के साथ ही कल्याण सिंह पर भी निशाना साधा था। यही हाल बिहार में नीतीश कुमार का नजर आ रहा है।

यूपी में कब किससे हुआ गठबंधन

- वर्ष 1993 में बसपा-सपा गठबंधन हुआ।
- वर्ष 1995 में सपा के साथ गठबंधन तोड़ा।
- वर्ष 1997 में छह-छह माह की शर्त पर भाजपा के समर्थन से सीएम बनीं।
- कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं दिया।
- छह माह से पहले भाजपा से नाता तोड़ लिया।
- वर्ष 1996 में कांग्रेस से गठबंधन पर चुनाव लड़ी।
- बसपा ने केंद्र की अटल सरकार से भी समर्थन वापस लिया।
- वर्ष 2019 में सपा गठबंधन के साथ लोक सभा चुनाव लड़ा।
- 4 जून 2019 को सपा से गठबंधन तोड़ लिया।

हार पर हार पर मजबूत होते रहे इरादे

1984 में जब बहुजन समाज पार्टी बनी तो मायावती ने यूपी के कैराना से पहला चुनाव लड़ीं लेकिन उन्हें इस चुनाव में सिर्फ 44 हजार वोट मिले और वे तीसरे नंबर पर रहीं, पर हार ने उन्हें और मजबूत बनाया। 1985 में बिजनौर में उपचुनाव हुए तो फिर मायावती ने ताल ठोकी और फिर हारीं। 1987 में हरिद्वार में उपचुनाव में फिर वो हारी लेकिन लगातार तीन हार के बाद उन्हें इसका इनाम मिला 1989 में हुए लोक सभा चुनाव में। जब देश में बीपी सिंह की लहर थी उस लहर में बिजनौर की सीट से पहली बार मायावती ने जीत हासिल की। बसपा की पहली सांसद मायवती बनी, फिर उसके बाद का इतिहास सारा देश जानता है। 1994 में वह बीएसपी से ही राज्यसभा सांसद चुनी गई। इसके बाद 1995 में वह पहली दलित महिला के रूप में यूपी की मुख्यमंत्री बनी। वे यूपी की चार बार सीएम बन चुकी हैं।

ढाई दशक बाद सपा से दोस्ती बाद में तोड़ दी

वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली बसपा गिरते जनाधार को लेकर एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ी। स्टेट गेस्ट हाउस कांड का कड़वा घूंट पीकर मायावती ने अखिलेश के युवा नेतृत्व वाले सपा के साथ 2019 में लोक सभा चुनाव के लिए गठबंधन किया। बसपा को 10 सीटें मिलीं। फायदा भले ही मायावती को हुआ हो लेकिन छह माह के अंदर ही उन्होंने पलटी मारते हुए सपा से नाता तोड़ दिया। तर्क दिया कि उनका वोट तो सपा को ट्रांसफर हुआ लेकिन हमें उनका वोट नहीं मिला। यह भी कहा कि सपा कॉडर आधारित पार्टी नहीं है।

प्रदेश में सियासी जमीन मजबूत करने में जुटे शिवपाल

» संगठन पर फोकस, बेटे आदित्य को सौंपी कमान

» नगरीय निकाय चुनाव लड़ने की तैयारियों की बनायी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा से दूरी बनाने के बाद प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव एक बार फिर प्रदेश में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुट गए हैं। पार्टी को मजबूत करने के लिए उन्होंने बेटे आदित्य यादव को कमान सौंपी है। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही उन्होंने जल्द ही पार्टी की राज्य कार्यकारिणी में भेजने के निर्देश दिए हैं। अभी तक इस पद पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सुंदरलाल लोधी काम कर रहे थे।

सपा के टिकट पर 2022 का विधान सभा चुनाव लड़ने वाले शिवपाल सिंह यादव को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। गठबंधन के बाद सपा ने उन्हें केवल एक सीट दी थी जिसके कारण उनकी पार्टी के नेता छिटक गए थे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से रिश्ते खराब होने के बाद उन्होंने अब फिर से अपनी पार्टी पर ध्यान देना शुरू किया है। शिवपाल अपने संगठन को नए सिरे से धार देने में लगे हैं। उन्होंने इस वर्ष के अंत में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव भी लड़ने की घोषणा की थी। शिवपाल ने बेटे आदित्य यादव को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है। इससे पहले वे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव थे। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष की कमान शिवपाल ने अपने खास सुंदर लाल लोधी के पास थी जिन्हें कुछ समय पहले ही शिवपाल ने राष्ट्रीय महासचिव बना दिया था। इसके साथ ही वे कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी काम कर रहे थे।

चुनौतियां भी कम नहीं

आदित्य यादव के सामने प्रसपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। वह ऐसे वक्त पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं, जब पार्टी में सियासी नब्ज पर नजर रखने वाले नेताओं की कमी है। चुनाव के दौरान की गतिविधियों की वजह से कार्यकर्ताओं का उत्साह कम हुआ है। ऐसे में पार्टी में रहकर सक्रिय भूमिका बनाए रखने वाले नेताओं को साथ लेकर चलना होगा। अपने आसपास ऐसे नेताओं की भीड़ जुटानी होगी जो वास्तविक जनाधार वाले नेता हों। जिनकी आवाज पर कार्यकर्ताओं की भीड़ इकट्ठी हो जाए ताकि विपक्ष की भूमिका निर्वहन करने में कोई परेशानी न हो।

सपा से अलग होकर बनायी थी पार्टी

सपा से अलग होने के बाद शिवपाल सिंह यादव ने नवंबर 2018 में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) का गठन किया। वह खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष बने और सुंदरलाल लोधी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। विधान सभा चुनाव 2022 से ठीक पहले शिवपाल सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दिया और सपा की सदस्यता ले ली। टिकट वितरण के दौरान मची उठापटक के बीच शिवपाल के खास लोगों ने प्रसपा छोड़ दी।

सपा के मुख्य प्रवक्ता दीपक मिश्र ने कहा कि आदित्य का कार्यकर्ताओं से सीधा जुड़ाव है, इससे पार्टी मजबूत होगी। सहकारिता से सियासी कैरियर की शुरुआत करने वाले आदित्य यादव जिला सहकारी बैंक इटावा के निर्विरोध अध्यक्ष रहे। वह यूपी कोआपरेटिव फेडरेशन के चेयरमैन भी रहे हैं। इसके बाद ग्लोबल बोर्ड इंटरनेशनल को आपरेटिव एलांस के निदेशक भी चुने गए। यूपी की सक्रिय सियासत में वह वर्ष 2017 के विधान सभा चुनाव में उभर कर सामने आए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

यूपी में आतंकियों की मौजूदगी चिंताजनक

यूपी में आतंकियों की मौजूदगी बेहद चिंताजनक है। यहां आतंकियों की लगातार हो रही गिरफ्तारी ने खतरे की घंटी बजा दी है। हाल में आजमगढ़ में आईएसआईएस का आतंकी सबाउद्दीन को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। यहां वह लड़कों का ब्रेनवॉश कर उन्हें आतंकी बनाने की कोशिश कर रहा था। वहीं पिछले साल जुलाई में लखनऊ से एटीएस ने दो अल कायदा के आतंकियों शाहिद और वसीम को गिरफ्तार किया था। उनके पास से भारी मात्रा में विस्फोट मिला था और वे सीरियल ब्लास्ट करने की फिराक में थे। ये घटनाएं ये बताने के लिए काफी हैं कि प्रदेश में आंतकी संगठन अपने स्लीपर सेल विकसित कर चुके हैं और लगातार अपनी जड़े जमा रहे हैं। सवाल यह है कि आतंकवादी उत्तर प्रदेश को अपना ठिकाना क्यों बना रहे हैं? क्या खास इलाकों में इनके स्लीपर सेल सक्रिय हैं? क्या पाकस्तिान के आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति बदल दी है? क्या सीमा पर कड़ी सुरक्षा के कारण वे आतंकियों को न भेजकर स्थानीय स्तर पर यहां के नागरिकों को आतंकी बना रहे हैं? क्या नेपाल के जरिए पाकिस्तानी आतंकी प्रदेश में प्रवेश कर रहे हैं? क्या वे यूपी में आतंकी घटनाओं के जरिए देश में दहशत पैदा करना चाहते हैं?

पिछले कुछ वर्षों से उत्तर प्रदेश आतंकियों के निशाने पर है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के आतंकी संगठनों ने यहां स्लीपर सेल सक्रिय कर रखे हैं। आतंकी संगठन इनको विभिन्न एप्स के जरिए न केवल आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की ट्रेनिंग देते हैं बल्कि यहां के स्थानीय लड़कों का ब्रेन वॉश कर संगठन में शामिल करने की फिराक में रहते हैं। कई आतंकी नेपाल से लगती उत्तर प्रदेश की सीमा से प्रवेश कर रहे हैं। सीमा पर लगातार बढ़ रही संदिग्ध गतिविधियां भी इनकी पुष्टि करती हैं। वहीं स्थानीय नागरिक होने के कारण आस-पास के लोग भी इन पर शक नहीं करते। हैरानी की बात यह है कि ये स्थानीय आतंकी भी दिखावे के लिए कोई न कोई काम करते हैं। इसके कारण पुलिस की नजरों से बच जाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि ये आतंकी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों से पकड़े गए हैं। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से इनकी गिरफ्तारियां अधिक हुई हैं। इससे साफ है कि आतंकियों ने उत्तर प्रदेश में अपनी जड़ें जमा ली हैं। ऐसे में प्रदेश में आतंकी घटनाओं की आशंका बढ़ गयी है। जाहिर है यदि सरकार प्रदेश से आतंक का जड़ से खात्मा करना चाहती है तो उसे इस मामले को गंभीरता से लेने के साथ सीमावर्ती जिलों पर खास ध्यान देना होगा। स्थानीय स्तर पर खुफिया तंत्र को मजबूत करना होगा। इसके अलावा आतंकियों के स्लीपर सेल को खोज कर उन्हें समाप्त करना होगा।

“ पिछले कुछ वर्षों से उत्तर प्रदेश आतंकियों के निशाने पर है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के आतंकी संगठनों ने यहां स्लीपर सेल सक्रिय कर रखे हैं। आतंकी संगठन इनको विभिन्न एप्स के जरिए न केवल आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की ट्रेनिंग देते हैं बल्कि यहां के स्थानीय लड़कों का ब्रेन वॉश कर संगठन में शामिल करने की फिराक में रहते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गांधी परिवार फिर सुर्खियों में

प्रभु चावला

हर वीर शहीद नहीं होता, पर हर शहीद वीर होता है। कांग्रेस के केंद्र में स्थित परिवार विशेष को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हाथों शहीद होने की उम्मीद जरूर होगी, जब वह परिवार के सदस्यों से कथित गड़बड़ियों के बारे में पूछताछ कर परिवार को वीर का दर्जा दे रही है। गांधी परिवार का इतिहास बताता है कि जब भी उसका कोई सदस्य सरकारी एजेंसियों के निशाने पर आता है तो उसका आंतरिक शहीद सक्रिय हो जाता है। ऐसा तब भी हुआ था, जब आपातकाल के लिए जनता पार्टी की सरकार ने उन्हें निशाना बनाया था। क्या ऐसा उनके वारिसों के साथ भी हो सकता है? अब जब कांग्रेस गांधी परिवार के पीछे लामबंद है तो क्या पार्टी उस परिवार को देश की राजनीति के केंद्र में ला सकती है?

गांधी परिवार के सदस्यों के ईडी कार्यालय आने-जाने के घंटों तक टीवी पर लाइव दिखाने से मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में कांग्रेस को फिर से देखा जाने लगा है। नेताओं के लिए कोई भी खबर बुरी नहीं होती है। कांग्रेस के लिए तो बुरी खबर कई तरह से सबसे अच्छी खबर बन रही है। निष्क्रिय समर्थक देशभर में विरोधों में भाग ले रहे हैं। लगभग ठिठका पड़ा संगठन जाग रहा है और दिशाहीन बिखरे समर्पित कार्यकर्ता उत्साहित हो रहे हैं। ऐसे में पतनशील दिख रहा गांधी परिवार मौजूदा जांच का लाभार्थी हो गया है। सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष बनी हुई हैं और बदलाव व लोकतांत्रिक चुनाव की आशा लगाये लोग चुप बैठे हैं। इस स्थिति में निकट भविष्य में चुनाव भी लगभग असंभव दिख रहा है। कुछ माह पहले ही नीचे से ऊपर तक नये पदाधिकारी निर्वाचित करने के लिए कांग्रेस ने चार चरणों की चुनाव प्रक्रिया का समय तय किया था। पार्टी ने 31 मार्च, 2022 तक पहले चरण के सदस्यता अभियान को भी पूरा नहीं किया है। पिछले माह ही राज्यों के पदाधिकारियों और राष्ट्रीय समिति के सदस्यों का चुनाव हो जाना था। सितंबर-अक्टूबर में अध्यक्ष व वर्किंग कमेटी के सदस्यों के चुनाव की आशा थी। राहुल गुट उन्हें अध्यक्ष के रूप में देखना चाहता है पर वे कोई औपचारिक उत्तरदायित्व नहीं लेने पर टिके हुए हैं। इस स्थिति का बड़ा कारण उनकी योग्यता व क्षमता पर विवाद है। पुराने लोग सोनिया गांधी को अध्यक्ष बनाये रखना चाहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि भावावेशी राहुल गांधी की अपेक्षा वह अन्य विपक्षी पार्टियों से बेहतर तालमेल बना सकती हैं अगर

वह पद पर बनी रहती हैं, तब भी राहुल की ही चलेगी, जैसा राज्य सभा के हालिया चुनाव में हुआ। संगठन का वास्तविक लोकतांत्रिक चुनाव कराना गांधी परिवार का स्वाभाव नहीं है। सलमान खुर्शीद ने बुद्धिमत्तापूर्ण बात कही थी कि वह अपने नेता के बचाव में आयेंगे और उनके नेता उन्हें बचायेंगे। इसका तात्पर्य है कि गांधी परिवार कांग्रेस है और कांग्रेस गांधी परिवार है। फिलहाल न तो कांग्रेसमुक्त भारत की संभावना दिख रही है और न गांधीमुक्त कांग्रेस की। वे कई वर्षों से भले ही मतदाताओं के ध्यान में न रहे हों पर अभी वे दिखने लगे हैं। ब्रांड गांधी ने बाजार की कीमती जगह घेर ली है। सवाल यह है कि क्या वह बिक सकेगी। केवल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल ही जांच एजेंसियों और रिजर्व बैंक एवं सेबी जैसे नियामकों के निशाने पर नहीं हैं। ईडी और रेवेन्यू इंटेलिजेंस निदेशालय के कहने पर रिजर्व बैंक ने फिर एक दर्जन से ज्यादा क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को चेतावनी दी है कि वे रेटिंग के अपने रवैये में सुधार करें। इनकी जांच कुछ साल पहले शुरू हुई थी, जब आईएल एंड एफएस और यस बैंक बहुत अधिक रेटिंग के बावजूद ध्वस्त हो गये थे। सरकार को लगता है कि जब से इन रेटिंग एजेंसियों ने अंतिम निर्णायक की भूमिका हासिल की है, दो दशकों में गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में भारी वृद्धि हुई है। ठीक से जांच होती है तो वित्तीय क्षेत्र के कई नामी-गिरामी लोगों का पर्दाफाश हो जायेगा। प्रधानमंत्री मोदी के लिए सुधार और बदलाव अभियान हैं। उनके सभी नारे और काम भागीदारी के आख्यान पर लक्षित होते हैं। उन्होंने वादा किया था कि उनकी सरकार मुश्किल पैदा करने वाले नकारा कानूनों को खत्म करेगी। अब तक 200 से अधिक ऐसे कानून या तो खत्म हो गये हैं या खत्म होने की प्रक्रिया में हैं।

जो संस्थाएं कानून एवं न्याय मंत्रालय को सलाह देती हैं, उनमें एक विधि आयोग है। अभी तक तीन वर्षों की अवधि के 21 विधि आयोगों की स्थापना हो चुकी है। इन सभी ने 262 रिपोर्ट दी हैं, जिनके आधार पर बहुत से पुराने कानून हटाये गये हैं और बदलते समय के अनुरूप नये कानून बनाये गये हैं। कुल मिलाकर सुधारों को लेकर सरकार तेजी से काम कर रही है और जांच एजेंसियों के निशाने हर गड़बड़ करने वाला है।

विलुप्त चीतों की वापसी

ऋषभ मिश्रा

दुनिया में सबसे तेज दौड़ने वाला जानवर चीता है, लेकिन बमुश्किल ही किसी ने चीते को अपनी आंखों से दौड़ते हुए देखा होगा क्योंकि भारत में अब चीते बचे ही नहीं हैं। चीते 74 साल पहले ही हमारे देश से विलुप्त हो चुके थे और तब से यह जानवर भारत में सिर्फ किताबों में रह गया है। एशिया में फिलहाल सिर्फ ईरान में ही चीते पाये जाते हैं लेकिन अब 74 साल बाद एक बार फिर से भारत में चीतों की वापसी हो रही है। भारत और अफ्रीकी देश नामीबिया ने हाल ही में इस संबंध में एक समझौता किया है। दुनियाभर में इस समय करीब सात हजार चीते ही बचे हैं और उनमें से आधे अकेले नामीबिया में पाये जाते हैं। नामीबिया ने भारत को मुफ्त में आठ चीतों को देने पर रजामंदी दे दी है। भारत को इन चीतों को लाने का यानी सिर्फ आवागमन का खर्च उठाना है। इन चीतों को भारत में एक विशेष जहाज से लाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि यह चीतों का पहला ऐसा हस्तांतरण है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप के बीच होगा।

इसी महीने 15 अगस्त से पहले मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ चीते फर्राटा भरते हुए दिखायी देंगे। इनमें से चार नर और चार मादा चीते हैं। जनवरी, 2022 में चीतों की वापसी का एक मास्टर प्लान मोदी सरकार ने तैयार किया था और इसके तहत अगले पांच साल में कुल 30 चीते भारत में लाये जाने की योजना है। सात वर्ष पहले भारतीय वन्यजीव संस्थान ने चीतों के पुनर्वास के लिए 260 करोड़ रुपये की लागत की योजना बनायी थी। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की 19वीं बैठक में कार्ययोजना की घोषणा की गयी थी। मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में सबसे तेज दौड़ने वाले जानवर के स्वागत की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। कुनो राष्ट्रीय उद्यान में बड़ी संख्या में नीलगाय, जंगली सूअर, चीतल तथा अन्य पशु हैं। मांसाहारी जानवरों में तेंदुआ और लकड़बग्घा ही हैं. ऐसे में आगंतुक चीतों के लिए समुचित आहार की उपलब्धता रहेगी। एक वैज्ञानिक अनुमान के मुताबिक, चीते 50 लाख वर्ष से धरती पर मौजूद हैं तथा पहली बार इन्हें भारत में ही देखा गया था।

चीता शब्द की उत्पत्ति भी संस्कृत शब्द चित्राका से हुई है, जिसका हिंदी में मतलब होता है, चितकबरा या धब्बेदार लेकिन यह हमारे देश के लिए एक विडंबना ही मानी जानी चाहिए कि कई दशकों से भारत में एक भी चीता मौजूद नहीं है। आजादी से पहले भारत में बड़ी संख्या में चीते पाये जाते थे लेकिन फिर इनकी आबादी धीरे धीरे घटती चली गयी। इसकी सबसे बड़ी वजह राजाओं-महाराजाओं का बेहिसाब शिकार का शौक और नकली वीरता के प्रदर्शन की होड़ थी। जनता के बीच खुद को बहादुर दिखाने के लिए जंगल में सबसे ज्यादा शेरों, बाघों और चीतों का शिकार किया जाता था तथा अपनी नकली वीरता को सभी के सामने प्रदर्शित किया जाता था। उस जमाने में राजाओं-महाराजाओं के चाटुकार और दरबारी भी उनकी झूठी वीरता का बखान किया करते थे एवं उनके बारे में लिखा करते थे। वर्ष 1948 में सरगुजा रियासत के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव ने छत्तीसगढ़ के जंगलों में भारत के आखिरी बचे तीन चीतों का शिकार किया था। इसके बाद भारत में कभी कोई चीता नहीं देखा गया। वर्ष 1952 में सरकार ने भारत में चीतों के खत्म होने की आधिकारिक घोषणा कर दी।

भारत में शिकार के अलावा चीतों को पालने का भी चलन है क्योंकि शेर और बाघ की तुलना में चीता कम हिंसक होता है, इसलिए उसे पालतू बनाना आसान है। दुनिया में पहली बार चीतों को पालने का चलन भी भारत में ही शुरू हुआ था। इतिहास में पहली बार चीता पालने का सबूत संस्कृत ग्रंथ मानसोल्लास में मिलता है, जो छठी शताब्दी में लिखा गया था। कहा जाता है कि मुगल शासक अकबर के समय में भी 10 हजार से ज्यादा चीते पाले हुए थे और इनमें से करीब एक हजार चीते उनके दरबार में थे। इन्हें शिकार के लिए प्रशिक्षित किया जाता था। मुगल बादशाह जहांगीर ने भी अपनी जीवनी तुजुक-ए-जहांगीरी में कैद में रखी गयी एक मादा चीता द्वारा शावक को जन्म देने का एक किस्सा बताया है। पहले राजा और जमींदार फिर अंग्रेजों के जमाने में भी चीतों के शिकार और उनके पालतू बनाने का प्रचलन जारी रहा।

उल्लेखनीय है कि 18वीं शताब्दी में एक प्रशिक्षित चीते की कीमत 15 से 20 हजार रूपये तक होती थी, जबकि जंगल से पकड़ कर लाये गये चीते की कीमत 10 हजार रूपये के आस पास होती थी। वर्ष 1880 में पहली बार भारत में एक चीते के हमले में किसी इंसान की जान जाने का सबूत मिलता है। तब विशाखापट्टनम के तत्कालीन गवर्नर के एजेंट ओबी इरविन शिकार के दौरान चीते के एक हमले में मारे गये थे। चीता विजयानगरम के राजा का पालतू था। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने चीते को हिंसक जानवर घोषित कर दिया तथा चीते को मारने वालों को बाद में इनाम दिया जाने लगा।

विशेषज्ञ कहते हैं कि चीते 20वीं शताब्दी की शुरुआत तक बेहद कम हो गये क्योंकि चीते राजाओं-महाराजाओं के शिकार और ब्रिटिश साम्राज्य के शौकिया खेलों की भेंट चढ़ चुके थे। साल 1918 से 1945 के बीच राजा-महाराजा एवं ब्रिटिश अधिकारी अफ्रीका से ही चीते मंगवाकर उन्हें शिकार के लिए इस्तेमाल किया करते थे। अब जब भारत में चीते फिर से वापसी कर रहे हैं, तब केंद्र सरकार द्वारा उनकी सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की आवश्यकता है।

रात में खाने के बाद जरूरी है टहलना

खाने के बाद तुरंत बैठने, सोफे या बिस्तर पर लेट जाने से मोटा होने की आशंका बढ़ जाती है। क्योंकि इसका सीधा असर पाचन तंत्र पर पड़ता है। इसलिए, हर बार खाने के बाद 2 मिनट टहलना चाहिए। पहले से मान्यता रही है कि खाने के बाद कम से कम 15 मिनट टहलना चाहिए। हाल ही में स्पोर्ट्स मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित मेटा एनालिसिस के सात अध्ययनों में सामने आया कि भोजन के बाद महज दो मिनट टहलने से टाइप 2 डायबिटीज के खतरे को कम किया जा सकता है। वहीं शरीर में ब्लड शुगर लेवल भी कम हो जाता है।

रात में डिनर के बाद टहलने के फायदे

पाचनशक्ति होती है बेहतर

रात में खाने के बाद 15 से 30 मिनट टहलने से पाचनशक्ति बेहतर होती है। भोजन आसानी से पचता है। जब आप खाते ही सोने चले जाते हैं, तो पाचन की प्रक्रिया और भी ज्यादा धीमी हो जाती है, इससे आपको पेट में कई तकलीफें हो सकती हैं। अब से खाकर जरूर टहलने जाएं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, कई शोधों में यह बात सामने आई है कि खाने के बाद थोड़े समय के लिए टहलने या चलने से ब्लड ग्लूकोज या ब्लड शुगर लेवल मैनेज होता है। प्रतिदिन एक्सरसाइज करने से गैस, ब्लोटिंग, अनिंद्रा की समस्या दूर होती है। हृदय स्वस्थ रहता है। हालांकि, खाने के बाद यदि आप टहलने जा रहे हैं, तो इंटेंसिटी, समय, दूरी का ख्याल रखना भी जरूरी है वरना आपको अपच और पेट दर्द भी हो सकता है।

मानसिक सेहत में होता है सुधार

खाने के बाद टहलने से मानसिक सेहत में सुधार होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि टहलने से स्ट्रेस को बढ़ाने वाले हार्मोन कॉर्टिसोल में कमी आती है। जब कोई व्यक्ति टहलने जाता है, तो शरीर में एंडॉर्फिन रिलीज होता है। यह एक प्राकृतिक दर्द निवारक की तरह काम करता है। इससे बेचैनी कम होती है, मूड बेहतर होता है, तनाव कम करता है और रिलैक्स करता है। खाना खाकर टहलने से नींद अच्छी आती है। आप प्रतिदिन एक्सरसाइज करेंगे, तो इन्सोम्निया की बीमारी दूर होगी। इसमें टहलना भी शामिल है। लॉन-टर्म रेगलुर एक्सरसाइज करने से नींद जल्दी आती है। तो यदि आपको रात में नींद जल्दी नहीं आती है, तो खाने के बाद 10-15 मिनट जरूर टहल आएं।

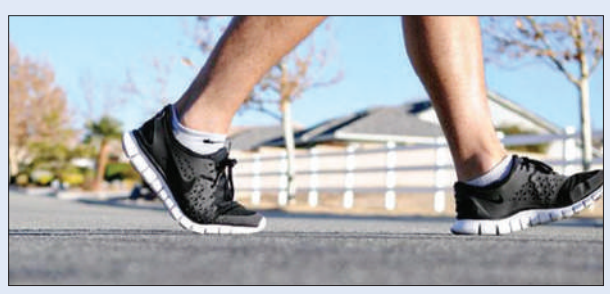

हंसना मना है

एक बार एक दादा-दादी ने जवानी के दिनों को याद करने का फैसला किया, अगले दिन दादा फूल लेकर वहीं पहुंचे जहां वो जवानी में मिला करते थे, वहां खड़े-खड़े दादा के पैरों में दर्द हो गया लेकिन दादी नहीं आईं, घर जाकर दादा गुस्से से, आईं क्यों नहीं? दादी शर्माते हुए, मम्मी ने आने नहीं दिया।

जीजा: अरे साली साहिबा! क्या तुम जानती हो कि इंसान का दिमाग... 24 घंटे काम करता है लेकिन लाइफ में दो बार.. काम करना बंद कर देता है। साली अच्छा...कब ..? जीजा- पहला एग्जाम के समय और... दूसरा बीवी पसंद करते समय..!!

रिंकी- तुम्हारी दिल्ली की यात्रा कैसी थी? चिंकी- अरे! बता नहीं सकती! रास्ते में मेरे पापा पानी लेने उतर गए, और गाड़ी चल पड़ी और वह स्टेशन पर ही छूट गए। रिंकी- तुम्हारा दर्द समझ सकती हूं। तुम्हें इतनी लंबी यात्रा में प्यासा ही रहना पड़ा होगा।

एक पोता अपने दादाजी- दादाजी , 80 साल की उम्र में भी आप दादीजी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? दादाजी- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

शिक्षक - तुम तो पढ़ाई में बहुत कमजोर हो, मैं तुम्हारी उम्र में गणित के इससे भी कठिन सवाल हल कर लेता था। चिंटू - आपको अच्छे शिक्षक मिल गए होंगे सर, सबकी किस्मत इतनी अच्छी नहीं होती...

पत्नी- ये रैगिंग किसे कहते हैं? पति- ये जो तुम हर मैरिज एनिवर्सरी, करवाचौथ और जन्मदिन पर जबरदस्ती गिफ्ट मांगती हो ना, उसे ही अंग्रेजी में रैगिंग कहते हैं।

कहानी

राजा महाराणा प्रताप

भारत के इतिहास में राजा महाराणा प्रताप का नाम अमर है। महाराणा प्रताप राजस्थान के शूरवीर एवं स्वाभिमानी राजा थे। जयपुर के राणा मानसिंह ने अकबर द्वारा अपने राज्य को कष्ट न हो; इसलिए अपनी बहन का विवाह अकबर से किया। एक बार अपने वैभव के प्रदर्शन हेतु राजपूत दिल्ली जाते समय मार्ग में स्थित महाराणा प्रताप से मिलने कुंभलगढ़ गये। महाराणा प्रताप ने उन सभी का योग्य आदर सत्कार किया; परंतु उसने साथ बैठकर भोजन न करने की इच्छा व्यक्त की। मानसिंह द्वारा कारण पूछने पर महाराणा प्रतापने कहा, मुगल शासक से अपने राज्य की रक्षा करने की अपेक्षा अपनी बेटी-बहनों को मुगलों के हाथ देकर उनसे राज्य की रक्षा कराने वाले स्वाभिमान रहित राजपूतों के साथ बैठकर मैं भोजन नहीं करता। महाराणा प्रताप द्वारा कहे गए कटु सत्य सुनकर मानसिंह भोजन की थाली छोड, उठ खड़ा हुआ और क्रोधित होकर चिल्लाया, महाराणा प्रताप। रणक्षेत्र में तेरा सत्यानाश नहीं किया, तो मेरा नाम मानसिंह नहीं। कुछ समय उपरांत मानसिंह, अकबर के पुत्र सलीम एवं प्रचंड सैन्य के साथ महाराणा प्रताप से युद्ध करने आया। यह सूचना मिलते ही महाराणा प्रताप ने अरावली पर्वत के पास मार्ग पर मानसिंह की सेना पर आक्रमण कर दिया और उनकी अधिकांश सेना को मिट्टी में मिला दिया। महाराणा प्रताप की तलवार से सलीम का वध होने वाला था। परंतु वह वार उसके हाथी पर हुआ और सलीम बच गया। महाराणा प्रतापकी तलवार के भय से मानसिंह सेना के पीछे था। महाराणा अपनी धारदार चमकती तलवार को शत्रु के घेरे में ऐसे चला रहे थे की उनका जोहर देखते बनता था। इतने में किसी शत्रु सैनिक ने महाराणाजी के घोड़े 'चेतक' के एक पैर में तीर मारकर उसे घायल कर दिया। ऐसी स्थिति में भी वह स्वामी निष्ठ घोड़ा अपनी पीठ पर बैठे महाराणाजी को बचाने के लिए भागकर उस घेरे को भेदने का प्रयास करने लगा। इतने में मार्ग में नाला आया। चेतक ने छलांग लगाकर वह नाला पार किया, परंतु हृदय गति रुकने के कारण उसने अपने प्राण त्याग दिए। महाराणा प्रतापजी ने पीछे मुडकर देखा, तो अकबर की सेना में भर्ती हुआ उनका छोटा भाई शक्ति सिंह, चार-पांच मुगल सैनिकोंको जानसे मार रहा था । वह दृश्य देखकर महाराणाजी आश्चर्यचकित हुए। इतने में उन पांच सैनिकों के प्राण लेकर शक्ति सिंह महाराणा के पास आया एवं उन्हें आलिंगनमें लेकर कहने लगा, भैया ! मैं मुगलोंकी सेना में हूं, तो भी आपका असीम शौर्य, पराक्रम के कारण आप ही मेरा आदर्श हैं । मैं आपके इस स्वामी निष्ठ घोड़े से भी तुच्छ हूं। मेवाड़ का इतिहास लिखने वाले कर्नल टॉण्ड ने महाराणा प्रतापजीका गौरव बताते हुए कहा है, उत्कृष्ट महत्वाकांक्षी, शासन निपुणता एवं अपरिमित साधन संपत्ति के बल पर अकबर ने दृढ़निश्चयी, धैर्यशाली, उज्वल कीर्तिमान और साहसी महाराणा प्रताप के आत्मबल को गिराने का प्रयास किया; परंतु वह निष्फल हुआ। बालमित्रों, यदि हम सर्व प्राणी मात्र से प्रेम करें, तो पशु भी हमसे प्रेम करने लगते हैं। यह आपको घोड़े 'चेतक' के उदाहरण से ज्ञात होगा। उस स्वामिनिष्ठ घोड़े ने अपने प्राणों की चिंता किये बिना राजा को बचाया। महाराणा प्रताप के भाई शक्ति सिंह ने भी स्वामी निष्ठ चेतक को श्रेष्ठ बताया। हमें भी सबसे प्रेम करना सीखना चाहिए।

6 अंतर खोजें

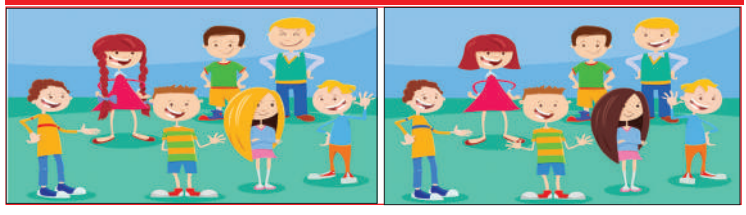

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपके लिए बहुत उत्साहजनक नहीं है। आज कार्यों में देरी और बाधाएं होंगी। हालांकि पारिवारिक सहयोग रहेगा और आर्थिक रूप से आप ठीक करेंगे।

वृषभ

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। ऑफिस में किसी सहकर्मी से आपको मदद मिल सकती है। सेहत के मामले में आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मिथुन

आज अपने हेल्थ को लेकर चिंतित रहेंगे। उदर विकार से परेशान रह सकते हैं। ऐसे दोस्तों के पास जाएं, जिन्हें आपकी जरूरत है। अपनी भावनाओं को फिलहाल मन में ही दबा कर रखें।

कर्क

कुछ भावनात्मक मुद्दे आपको परेशान कर सकते हैं। आज आपके लिए किसी भी प्रकार के तर्क से बचना बेहतर होगा। वरिष्ठों और सहकर्मियों से वांछित मदद प्राप्त होने में विलंब हो सकता है।

सिंह

आज आपका रुझान आध्यात्म की तरफ हो सकता है। आपको सभी काम में सफलता मिलेगी। आज आप कार्यस्थल पर कुछ बदलाव कर सकते हैं, इससे आपको फायदा होगा।

कन्या

कार्य क्षेत्र में शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। अगर आप किसी परेशानी में हैं तो जल्द ही उस परेशानी से निजात मिल जाएगी और आप फिर से राहत की सांस ले सकेंगे।

तुला

यदि आप राजनीति या सामाजिक जीवन से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए आज का दिन शुभ है। आयात-निर्यात, विदेशी कार्य-व्यापार, तथा विदेश यात्रा के लिए भी बेहतर समय है यह।

वृश्चिक

आज आपका कोई नजदीकी मित्र आपसे मिलने आ सकता है। आप उनसे अपनी कोई निजी बातें शेयर कर सकते हैं। इससे आपके मन का बोझ थोड़ा हल्का होगा।

धनु

आज का दिन अच्छा रहेगा। बिजनेस करने वाले लोग बड़े सौदे करेंगे आज आप अपने बिजनेस में कुछ नया करने की योजना बना सकते हैं। विवेक से कार्य करें। लाभार्जन सहज होगा।

मकर

वित्तीय क्षेत्र में उठाए गए कदम सफल होंगे। आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी स्थापित हो सकता है। भूमि क्रय विक्रय के सनार्भ में कमीशन के माध्यम से आर्थिक लाभ संभव हैं।

कुम्भ

आज ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। आपके काम समय पर पूरे होंगे। आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं। आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद रहेगी।

मीन

आज आप कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। चोट व दुर्घटना से बचें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर रखा है : चारू

चारू असोपा और राजीव सेन इन दिनों अलग होने की वजह से सुर्खियों में हैं। राजीव ने हाल ही में तलाक की खबरों के बीच सोशल मीडिया पर चारू के साथ एक फोटो शेयर की थी। अब इस पर चारू ने एक इंटरव्यू में रिएक्ट करते हुए कहा, कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को ब्लॉक कर रखा है। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि राजीव ने फोटो शेयर की है, तो वो शॉक्ड रह गई थीं। चारू ने कहा पहली बात तो यह पुरानी फोटो है। मुझे इस पोस्ट के बारे में कुछ भी नहीं पता था, क्योंकि मैंने और राजीव ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर रखा है। इस पोस्ट के बाद मेरे पास लोगों के बहुत सारे मैसेजेस और कॉल्स आए। जब लोगों ने मुझे राजीव की पोस्ट के स्क्रीनशॉट शेयर किए, तब मुझे इस बारे में पता चला। चारू ने आगे कहा मुझे नहीं पता कि उन्होंने यह पोस्ट क्यों शेयर की है, क्योंकि कुछ दिन पहले मैंने उन्हें म्यूचल कंसेंट का डायवोर्स ड्राफ्ट भेजा था। हालांकि राजीव उसमें कुछ बदलाव चाहते थे और उन्होंने मुझे कहा था कि वो अपने वकील से बात करके बताएंगे। हम अभी भी उनके वकील के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। चारू से सवाल किया गया कि उनके और राजीव के एक-साथ आने की संभावना क्या है। इस पर चारू ने कहा कोई चमत्कार हो जाता है तो पता नहीं, अभी तो ऐसा कोई चांस नहीं लग रहे है। मैंने राजीव से अलग होने का फैसला कर लिया है। मुझे बहुत ही हंसी आ रही है कि मेरे ऊपर इतने सारे आरोप लगाने के बाद राजीव ने ऐसा कुछ किया है। राजीव के लगाए हुए आरोप कि मैंने उससे अपनी पहली शादी छुपाई है, सब झूठ है। मैं बांद्रा में उनके जिम के पास एक रेस्टोरेंट में अपनी पहली शादी के बारे में बताने के लिए मिली थी।

इसी साल अली फजल के साथ शादी के बंधन में बंधेंगी ऋचा!

बॉलीवुड | मसाला

ऋचा चड्ढा ने कहा कि हां हम इसी साल शादी कर लेंगे। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वो कोविड की आने वाली लहरों को लेकर काफी चिंता में हैं। ऋचा कहती हैं मुझे लगता है कि इस साल शादी हो जाएगी। कर लेंगे किसी भी तरह से। हम शादी करने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं, लेकिन बस कोविड को लेकर चिंता में हैं। हम लोग किसी भी गलत वजह से खबरों में नहीं आना चाहते हैं। साथ ही जब पूरी तरह काम शुरू हो जाएगा तब हम दोनों बहुत ज्यादा बिजी होने वाले हैं, क्योंकि हमारे पास कई प्रोजेक्टेस हैं। इसलिए हम सोच रहे हैं कि इस साल शादी कर ही लें। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऋचा और अली सितंबर के आखिरी हफ्ते में फैमिली और फ्रेंड्स के साथ दिल्ली में शादी के बंधन में बंधने की प्लानिंग कर रहे हैं। इसके बाद यह कपल मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन देगा, जिसमें 350-400 मेहमान शामिल होंगे। ऋचा और अली की पहली मुलाकात 2012 में फिल्म फुकरे के सेट पर हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋचा ने ही अली को प्रपोज किया था। ऋचा के इस प्रपोजल का जवाब देने में अली ने तीन महीने का समय लिया था। दोनों ने अपने रिलेशन को लगभग 5 साल तक सीक्रेट रखा था। दोनों ने अपने सीक्रेट रिलेशन को ऑफिशियल विक्टोरिया और अब्दुल के वर्ल्ड प्रीमियर में किया था। बता दें कि यह कपल लंबे समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं, लेकिन शादी नहीं कर पाए। लगभग साल भर पहले दोनों ने शादी करने का प्लान बनाया था, लेकिन कोरोना वायरस की तीसरी लहर के कारण इनकी शादी टल गई थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो वो साथ में फुकरे तीन में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा अली खुफिया, बांवरे, हैप्पी अब भाग जाएगी और हॉलीवुड फिल्म कंधार में भी दिखाई देंगे। वहीं ऋचा इन दिनों फिल्म अभी तो पार्टी शुरू हुई है पर काम कर रही हैं। दोनों साथ मिलकर गर्ल्स विल बी गर्ल्स नाम की एक फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं।

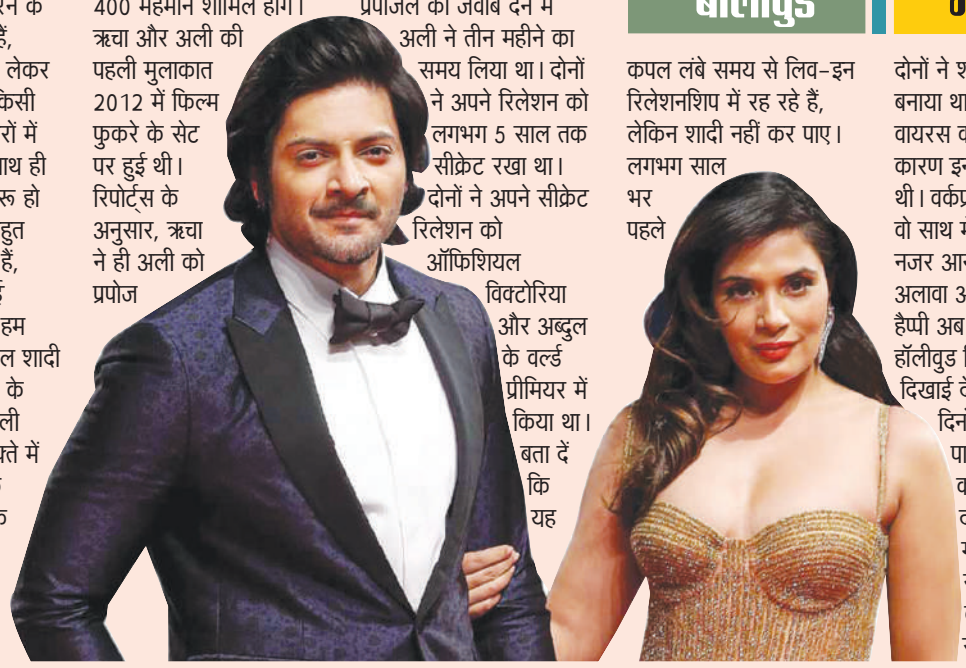

लाल सिंह चड्ढा से बॉलीवुड डेब्यू कर रहे नागा

नागा चैतन्य ने हाल ही में अपनी बाजू पर बने टैटू के बारे में खुलासा करते हुए अपने फैंस को इसे कॉपी करने से मना किया है। एक इंटरव्यू में नागा ने बताया कि इस टैटू में उनकी और सामंथा रुथ की वेडिंग डेट मोर्स कोड में लिखी हुई है। साथ ही एक्टर ने कहा कि अलग होने के बाद उन्होंने कभी इस टैटू को हटाने के बारे में नहीं सोचा है। नागा ने कहा मैं ऐसे कुछ फैंस से मिला, जिन्होंने मेरे नाम का टैटू बनवा रखा है। कुछ ऐसे भी फैंस जिन्होंने मेरे टैटू को कॉपी करके बनाया हुआ था। मैं आप सबको बता दूं कि यह कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे आपको कॉपी करना चाहिए। यह मेरी शादी की तारीख है। इसलिए मैं नहीं चाहता कि फैंस ये टैटू बनवाएं। मुझे यह देखकर खराब लगता है, क्योंकि लाइफ में बहुत सारी चीजें बदल जाती हैं और मैं भी इस टैटू को बदल सकता हूं। नागा से सवाल किया गया कि क्या उन्होंने इस टैटू को हटवाने का नहीं सोचा?

एक्टर ने कहा नहीं मैंने इस बारे में नहीं सोचा और यह ठीक है। साथ ही उनसे पूछा गया कि अगर कभी वो अपनी वाइफ से टकरा गए तो क्या करेंगे? उन्होंने कहा मैं हैलो बोलूंगा और उसे हग करूंगा। सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य ने जनवरी 2017 में हैदराबाद में सगाई की थी। दोनों उसी साल 6 अक्टूबर को गोवा में हिंदू और क्रिश्चियन रीति रिवाजों से शादी के बंधन में बंधे नागा जल्द ही आमिर खान की फिल्म लाल सिंह चड्ढा से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। अद्वैत चंदन के निर्देशन में बनी फिल्म टॉम हैंक्स स्टारर फॉरेस्ट गंप का हिंदी रीमेक है। नागा और आमिर के अलावा फिल्म में करीना कपूर और मोना सिंह भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अजब-गजब | ये है भारत का सबसे अनोखा गांव

यहां हर घर में पैदा होते हैं जुड़वा बच्चे

दुनियाभर में रहस्य और अजूबों की कमी नहीं है। आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें हर परिवार में सिर्फ जुड़वा बच्चे जन्म लेते हैं। इस गांव को दुनियाभर में जुड़वा बच्चों के नाम से ही जाना जाता है। दरअसल, अरब सागर के तट से करीब 18 किलोमीटर की दूरी पर केरल के मल्लापुरम जिले में कोडिन्ही नामक गांव स्थित है। इस गांव में जुड़वा बच्चें पैदा होने का चलन है। नन्नाबरा पंचायत के इस इलाके में दशकों से जुड़वा बच्चे ही पैदा हो रहे है। करीब दो हजार लोगों की आबादी वाले इस गांव का नाम अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाना जाने लगा है। अलग-अलग देशों के शोधकर्ता इस गांव में आकर जुड़वा बच्चों के पैदा होने के रहस्य का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

गांव में रहते हैं 2000 लोग

कोडिन्ही और उससे लगे कोट्टेकल के इलाके में करीब 400 जुड़वा बच्चे रहते हैं। इस गांव में 64 साल के बुजुर्ग से लेकर 6 महीने के बच्चे भी शामिल हैं। इस गांव में जुड़वा बच्चों की जन्म दर भारत में पैदा होने वाले जुड़वा बच्चों के जन्म दर से कई ज्यादा है। बता दें कि इस गांव में भारत का पहला जुड़वा-रिश्तेदार संघ बनाया गया है।

1949 का है सबसे पुराना जुड़वा जोड़ा

2008 में करीब 30 जुड़वा बच्चों और उनके माता और पिता के साथ मिलकर भारत में पहली बार 'द ट्विन्स एंड किंस असोसिएशन' की स्थापना की गयी। जो जुड़वा बच्चों की पढ़ाई और उनकी देखरेख के लिए काम करते है। यहां के निवासियों के अनुसार सबसे पुराना जुड़वा जोड़ी का जन्म वर्ष 1949 में हुआ था। साल बीतने के साथ कोडिन्ही में जुड़वा जोड़ियों की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है। इस जगह इतने अधिक जुड़वा पैदा होने के पीछे का कारण क्या है ये अब तक एक रहस्य बना हुआ है। पहले डॉक्टरों के मुताबिक यहां के खान-पान को इसका कारण बताया जा रहा था, लेकिन इस इलाके के लोगों का खान-पान केरल के अन्य इलाकों के सामान ही है। जिसकी वजह से इस तर्क को भी खारिज कर दिया गया।

विश्व का एकमात्र चमत्कारी शिवलिंग, बंटा है दो भागो में

भारत मंदिरों का देश है और देश दुनिया में हिंदू देवी-देवताओं के ऐसे कई मंदिर हैं, जहां चमत्कार देखने को मिलते हैं। देश में भगवान शिव से जुड़े अनेकों अनूठे मंदिर हैं। जिनमें से कुछ मंदिरों में भक्तों को समय समय पर चमत्कार देखने को मिलते हैं। हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे ही अनूठे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां भगवान शिव का शिवलिंग अर्धनारीश्वर रूप में स्थित है। यह शिवलिंग दो भागों में बंटा हुआ है, जिनके बीच की दूरियां अपने आप घटती-ब?ती रहती है। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में बहुत से प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं। इनमें से कांगड़ा जिले में एक बहुत ही अनोखा शिवलिंग है। जिला कांगड़ा के इंदौरा उपमंडल मुख्यालय से छह किलोमीटर की दूरी पर शिव मंदिर काठगढ़ का विशेष महत्व है। काठगढ़ महादेव मंदिर की स्थापना ज्योतिष के नियमानुसार की गई है। बताया जाता है कि यहां मौजूद दो भागों में विभाजित शिवलिंग का अंतर ग्रहों और नक्षत्रों के अनुसार घटता-ब?ता रहता है। शिवरात्रि पर इस शिवलिंग के दोनों भाग मिल जाते हैं। यह शिवलिंग काले-भूरे रंग का है। आदिकाल से स्वयंभू प्रकट सात फुट से अधिक ऊंचा, छह फुट तीन इंच की परिधि में भूरे रंग के रेतीले पाषाण रूप में यह शिवलिंग ब्यास व छौंछ खड्ड के संगम के नजदीक टीले पर विराजमान है। ग्रीष्म ऋतु में यह स्वरूप दो भागों में बंट जाता है और शीत ऋतु में फिर से एक रूप धारण कर लेता है। शिव पुराण में वर्णित कथा के अनुसार ब्रह्मा व विष्णु भगवान के मध्य बड़प्पन को लेकर युद्ध हुआ था। भगवान शिव इस युद्ध को देख रहे थे। दोनों के युद्ध को शांत करने के लिए भगवान शिव महाग्नि तुल्य स्तंभ के रूप में प्रकट हुए। इसी महाग्नि तुल्य स्तंभ को काठगढ़ स्थित महादेव का विराजमान शिवलिंग माना जाता है। इसे अर्धनारीश्वर शिवलिंग भी कहा जाता है।

अखिलेश का यूपी सरकार पर हमला, बोले

प्रदेश का हर विभाग भ्रष्टाचार में लिप्त

» जीरो टॉलरेंस की नीति सिर्फ जुमला, पुलिस कर रही उत्पीड़न

» भाजपा कार्यालयों में खुल गई हैं झंडा बिक्री की दुकानें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति सिर्फ जुमला बनकर रह गई है। उत्तर प्रदेश में हर विभाग भ्रष्टाचार में संलिप्त है और पुलिस उत्पीड़न करने में लगी है। आजादी के 75 वर्ष पर आयोजित अमृत महोत्सव भाजपा का दिखावा मात्र है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की दागदार सरकार में धांधली का साम्राज्य है। पीडब्लूडी, स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग के तबादलों में धंधेबाजी नजर आई। जांच के नाम पर कुछ ठोस परिणाम

नहीं आए। घपला, घोटाला करने वाले अपनी कुर्सियों पर जमे हैं। मुख्यमंत्री रिपोर्ट मांग लेते हैं, अफसर उस पर कुंडली मार कर बैठ जाते हैं। उन्होंने कहा कि इटावा में भाजपा नेताओं ने दिखा दिया कि उन्हें सीधा तिरंगा पकड़ना भी नहीं आता है। घर-घर उल्टा तिरंगा बांटा जा रहा है। भाजपा कार्यालयों में झंडा बिक्री की दुकाने खुल गई हैं। स्कूलों में बच्चों से, दफ्तर के कर्मचारियों से झंडा खरीद के लिए वसूली की जा रही है।

सैफई में चलाया सदस्यता अभियान

सैफई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने गांव सैफई में गुरुवार को सदस्यता अभियान चलाया। उन्होंने गांव के प्रधान रामफल बाल्मीकि के घर जाकर उनकी सदस्यता का नवीनीकरण किया। रामफल बाल्मीकि मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी माने जाते हैं। पार्टी के सदस्यता अभियान के दौरान अखिलेश यादव अपने गांव के बुजुर्ग महिलाओं और युवाओं से दिल खोलकर के न केवल मिले बल्कि उनसे अधिक से अधिक सपा के सदस्य बनने का आह्वान किया।

भाजपा नेता के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। वरुणा एंक्लेव कॉलोनी में भाजपा नेता अखंड सिंह के अवैध निर्माण का ध्वस्तीकरण किया गया। इसका सोसायटी के लोगों ने स्वागत किया।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष अखंड सिंह के अवैध निर्माण के खिलाफ महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया था। सोसायटी की डॉ. अमृता कात्यायनी, डाली सिंह, पूर्णिमा सिंह, रश्मि सिंह, शशिकला सिंह, कल्पना वर्मा समेत कई महिलाएं कई महीने पहले इसकी शिकायत की थी। उनका आरोप था कि भाजपा नेता के कार्यालय में तथाकथित लोगों के आने से परिसर में टहलना मुश्किल हो गया। उनकी गाड़ियां बेतरतीब खड़ी रहती थीं। सोसायटी के लोगों का कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, वीडीए उपाध्यक्ष से शिकायत की गई थी लेकिन सत्ता का हनक दिखाते हुए भाजपा नेता ने कार्यालय बना लिया था। बाद में शिकायत करने वाली महिलाएं वीडीए उपाध्यक्ष ईशा दुहन के पास पहुंचीं और पूरी बात बताई। वीडीए उपाध्यक्ष ने जोनल अधिकारी परमानंद यादव के नेतृत्व में टीम गठित कर ध्वस्तीकरण का निर्देश दिया था।

झांसी में हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां पूरी

» कल से शुरू होगा अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। प्रदेश सरकार ने हर घर तिरंगा अभियान के तहत साढ़े चार करोड़ तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा है। झांसी में भी हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियां पूरी हो गयी हैं। राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री और वितरण के लिए सरकार भी जुटी है। झांसी के सभी डाकघर इस अभियान का हिस्सा बने हुए हैं। सार्वजनिक अवकाश के दिन यानी 14 अगस्त को भी डाकघरों में कम से कम एक काउंटर के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज की बिक्री के लिए व्यवस्था की गई है।

आजादी के अमृत महोत्सव पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत सभी सरकारी, वाणिज्यिक व औद्योगिक प्रतिष्ठानों तथा शैक्षणिक संस्थानों में खादी से निर्मित

राष्ट्र ध्वज फहराये जाएंगे। निर्देश में कहा गया कि स्वतंत्रता दिवस पर सुबह आठ बजे सभी सरकारी भवनों में ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान होगा। जनसभाओं का आयोजन होगा, जिनमें अमर बलिदानियों के जीवन संघर्ष को याद किया जायेगा। सभी समुदायों में एकता, भाईचारे व इंसानियत पर बल दिया जायेगा। झांसी के जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने भी शहर में हर घर तिरंगा अभियान का जायजा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने के निर्देश दिए। इस दौरान सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी जायेगी।

डीएम रहे अनन्त कुमार सिंह के झूठे साक्षात्कार का मामला

दोषियों की याचिका खारिज, क्षतिपूर्ति का आदेश

» हाईकोर्ट ने सजा को रखा बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति डीके सिंह ने अनन्त कुमार सिंह तत्कालीन जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर का मनगढ़ंत साक्षात्कार प्रकाशित करने वाले रिपोर्टर रमन किरपाल, संपादक एके भट्टाचार्या, मुद्रक एवं प्रकाशक संजीव कंवर की पुनरीक्षण याचिका, जिसे उन्होंने विचारण एवं अपीली न्यायालय द्वारा दी गई कारावास एवं जुर्माने की सजा के विरुद्ध वर्ष 2012 में दाखिल की थी, को निरस्त कर दिया है।

सजा प्राप्त याचियों ने उच्च न्यायालय में विचारण एवं अपीली न्यायालय के निर्णय को गुण-दोष के आधार पर चुनौती दी थी, परन्तु सुनवाई के दौरान उन्होंने निचली दोनों अदालतों के निर्णय एवं निष्कर्षों को स्वीकार कर लिया एवं प्रथम अपराध होने के आधार पर परिवीक्षा पर छोड़े जाने की मांग की। उन्होंने अनन्त कुमार सिंह से बिना शर्त क्षमा याचना भी की। उच्च न्यायालय ने पहला अपराध होने के आधार पर सजा को बरकरार रखते हुए पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी परन्तु जेल भेजने के स्थान पर एक साल तक अच्छे आचरण एवं इस प्रकार का कोई अपराध न करने के लिए निचली अदालत में 50,000 रुपये का बंध-पत्र उनके द्वारा भरने पर उन्हें परिवीक्षा पर छोड़ने का आदेश दिया। कोर्ट ने परिवीक्षा अधिनियम की धारा-5 के अन्तर्गत सजा प्राप्त रिपोर्टर रमन किरपाल को 1 लाख तथा संपादक एके भट्टाचार्य तथा प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव कंवर को पचास-पचास हजार क्षतिपूर्ति के रूप से अनन्त कुमार सिंह को भुगतान करने का भी निर्देश दिया है। शर्त के उल्लंघन पर मूल सजा भुगतनी पड़ेगी। गौरतलब है कि अक्टूबर 1994 में अनन्त कुमार सिंह का एक साक्षात्कार अंग्रेजी दैनिक दि पायनीयर के दिल्ली एवं लखनऊ तथा दैनिक स्वतंत्र भारत के लखनऊ संस्करणों में निर्जन स्थान में कोई भी महिला के साथ बलात्कार करेगा-डीएम मुजफ्फरनगर शीर्षक से प्रकाशित हुआ था। अनन्त ने संपादकों से इसका खंडन प्रकाशित को कहा था लेकिन उसके सही तरह से प्रकाशित नहीं होने पर उन्होंने रिपोर्टर रमन किरपाल, संपादक एके भट्टाचार्य एवं घनश्याम पंकज तथा प्रकाशक एवं मुद्रक गण दीपक मुखर्जी एवं संजीव कंवर के विरुद्ध मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लखनऊ में मुकदमा दाखिल किया था।

कोर्ट ने रिपोर्टर रमन को एक वर्ष की सजा एवं 5 हजार जुर्माना जबकि सम्पादक घनश्याम पंकज एवं एके भट्टाचार्या तथा मुद्रक एवं प्रकाशक दीपक मुखर्जी एवं संजीव कंवर को 6-6 माह की कारावास तथा 2-2 हजार का जुर्माना किया था। बाद में अपर जिला जज इनकी अपील खारिज करते हुए मजिस्ट्रेट न्यायालय के आदेश की पुष्टि की थी।

24 से पहले बड़ा खेला करने की तैयारी में नीतीश

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में अब महागठबंधन की सरकार है। 8वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार ने शपथ ली। आरजेडी और कांग्रेस समेत बीजेपी विरोधी दलों के साथ हाथ मिलाकर नीतीश ने सत्ता संभाली। 8 साल में नीतीश की तरफ से बीजेपी का साथ दोबारा छोड़ा गया है। इससे तिलमिलाई बीजेपी ने नीतीश को अपनी तरफ से किए गए सारे अहसान याद दिलाए हैं। ऐसे में सवाल उठता हैं कि बिहार से निकला संदेश कितना परेशान कर सकता है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, अभिषेक कुमार, डॉ. राकेश पाठक, शीतल पी सिंह, निधि पांडे कांग्रेस प्रवक्ता और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि ये जो डेहरी देख ली है यमदूत ने, भारतीय

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

जनता पार्टी के लिए चिंता का विषय है। अब प्रश्न है कि नीतीश ने विश्वासघात किया, धोखा दिया वगैरा वगैरा। ये सब बातें बेमानी हैं जब ज्योतिरादित्य सिंधिया दल-बदल करा कर बीजेपी की सरकार बना रहे थे तब कौन सा लोकतंत्र का सम्मान हो रहा है। महाराष्ट्र में जो हुआ, कनार्टक और गोवा भी है। बहुत सारी घटनाएं हैं। राजनीति के इस हमाम में सब रणवीर हैं। नीतीश के लिए यह एक बड़ी कामयाबी है, ईडी, सीबीआई सभी के लिए यह मात है।

सतीश के सिंह ने कहा कि मैं जो संकेत देख रहा हूं, उस पर चर्चा करेंगे। नीतीश ने जो कहा है, वो अपनी सोच में कतई उम्मीद नहीं कर सकता था। 2014 वाले क्या आएंगे। एक तरीके से देश के लेवल पर चैलेंज कर दिया, पीएम मोदी को चैलेंज कर दिया। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सारी विपक्षियों को एक साथ आना ही पड़ेगा। बिहार में सात पार्टी तो साथ आ गई। अब वो किसी विपक्ष की या किस एकता की बात कर रहे हैं तो आप समझ लीजिए कि नीतीश ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बिगुल बजा दिया है।

निधि पांडे ने कहा कि बीजेपी बिहार में कभी अकेले सत्ता हासिल नहीं कर सकती है। जिस हिसाब से राजनीति पलटती है, आसार तो मिलते ही हैं। बिहार वो धरती हैं, जहां से देश की राजनीति भी बदलती है। केंद्र का रास्ता भी यही से होकर जाता है। हर राज्य में मोदी ईडी और सीबीआई से मिलकर सरकार बना रही है मगर शाह का दांव यहां फेल हो गया।

अभिषेक कुमार ने कहा, अगले एक महीने के अंदर बिहार विधान सभा को भंग किया जा सकता है और गुजरात का पेंच फंसाकर, दो राज्यों में विधान सभा चुनाव कराए जा सकते हैं। फिलहाल इस खबर की मैं पुष्टि नहीं करता हूं, पर सूत्र बताते हैं। क्या सही क्या गलत ये तो आने वाले वक्त बताएगा। दूसरी खबर सूत्रों से यह है कि कांग्रेस सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। 24 से पहले नीतीश बड़ा खेला करने की तैयारी में है। शीतल पी सिंह भी परिचर्चा से जुड़े।

'हर घर तिरंगा' राजधानी लखनऊ में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत रक्षाबंधन पर्व पर भी तिरंगा यात्रा एवं रैली की धूम रही। ऐशबाग ईदगाह से हाथों में तिरंगा लेकर 'हर घर तिरंगा' देशभक्ति की अलख जगाते नजर आए छात्र।

ईवीएम से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में होने वाले चुनावों में ईवीएम के बदले बैलेट पेपर पर मतदान होने को लेकर दाखिल याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। याचिका दाखिल करने वाले वकील एम एल शर्मा ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 100 का हवाला देते हुए इसे आवश्यक प्रावधान बताया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एसके कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंद्रेश की पीठ ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने को लेकर दाखिल की थी याचिका

पीटीआई के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के एक प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। इस प्रावधान के कारण ही देश में चुनावों के लिए बैलेट पेपर के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) प्रयोग शुरू हुआ था। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंद्रेश की पीठ ने 1951 के अधिनियम की धारा 61 ए को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से मना कर दिया है। याचिका दाखिल करने वाले वकील एम एल शर्मा ने कहा कि उन्होंने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 61 ए को चुनौती दी है, जिसे लोकसभा या राज्यसभा में मतदान के माध्यम से पारित नहीं किया गया था। इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका के संबंध में वकील से शर्मा से पूछा कि वे किसे चुनौती दे रहे हैं? क्या वे सदन को चुनौती दे रहे हैं, या सामान्य चुनावों को चुनावों को चुनौती दे रहे हैं? इस प्रश्न पर शर्मा ने कहा कि वे कानून की धारा 61 ए को चुनौती दे रहे हैं, जो ईवीएम के प्रयोग की स्वीकृति देती है, लेकिन यह सदन द्वारा पारित नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें इसमें कोई योग्यता नहीं मिली, खारिज।

बता दें कि याचिका में केंद्रीय कानून मंत्रालय को दूसरा पक्ष बनाया गया था। इसमें मांग रखी गई थी कि उक्त प्रावधान को गैरकानूनी और असंवैधानिक घोषित किया जाए।

मुख्तार के बेटे अब्बास अंसारी को भगोड़ा घोषित करने की प्लानिंग

» पुलिस ने डाली कोर्ट में अंसारी को भगोड़ा घोषित करने की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की तलाश में महानगर पुलिस ने हजरतगंज और वजीरगंज सहित कई ठिकानों पर दबिश दी। मगर वो नहीं मिला। पुलिस को उसकी अब भी तलाश है। पिछले चार-पाच दिनों में पुलिस अब्बास की तलाश में लखनऊ, गाजीपुर, मऊ और दिल्ली के 21 ठिकानों पर दबिश दे चुकी है लेकिन अब तक अब्बास हाथ नहीं लगा। अब पुलिस ने कोर्ट में उसे भगोड़ा घोषित करने की अर्जी डाल दी है। ऐसे में पुलिस उसे भगोड़ा साबित करना चाहती है।

अब्बास के खिलाफ तीन साल पहले महानगर थाने में एक शस्त्र लाइसेंस पर कई असलहे खरीदने और फर्जीवाड़े का मुकदमा दर्ज है। इस मामले में एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद से ही मऊ सदर से सुभासपा विधायक अब्बास अंसारी फरार है। अब्बास के वकीलों ने कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। भगोड़ा घोषित करने के लिए पुलिस ने यह भी तर्क दिया है कि अब्बास ने देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद के चुनाव में भी मतदान नहीं किया है। वह अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए भाग रहा है। अब्बास के खिलाफ लखनऊ में दो, मऊ में चार व गाजीपुर में एक केस दर्ज है।

भाजपा अवध क्षेत्र के अध्यक्ष शेष नारायण का निधन

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र के अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा का आज सुबह लगभग पांच बजे संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान पीजीआई लखनऊ में असामयिक निधन हो गया है। उनका पार्थिव शरीर भाजपा मुख्यालय लाया गया, जहां पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि दी। शेष नारायण मिश्रा का अंतिम संस्कार गोंडा में होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष शेष नारायण मिश्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया। मिश्रा के निधन से भाजपा संगठन में शोक की लहर है।

स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में मुफ्त दिखाई जाएंगी फिल्में

» राजधानी में मल्टीप्लेक्स में देशभक्ति फिल्में दिखाई जाएंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल में मुफ्त में फिल्में दिखाई जाएंगी, जिसके लिए लखनऊ जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने निर्देश दिया है। इसके तहत राजधानी में दर्जनभर मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल में देशभक्ति फिल्में दिखाई जाएगी।

जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा मल्टीप्लेक्स सिनेमा हाल का नाम जारी किया गया है। साथ ही उस सिनेमा हॉल के नाम भी बताए गए हैं। जिलाधिकारी के तरफ से बताया गया कि राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस 2022 पर पिछले सालों की भांति इस साल भी जनपद में संचालित मल्टीप्लेक्स में देशभक्ति फिल्मों का निःशुल्क प्रदर्शन किया जाना प्रस्तावित है। इसी क्रम में जनपद के मल्टीप्लेक्स

में जन-सामान्य हेतु हिन्दी फिचर फिल्म का निःशुल्क प्रदर्शन प्रथम-आगत-प्रथम-पावत के आधार पर किया जाएगा। आईनाक्स रिवरसाइट, गोमती नगर, आईनाक्स उमराव निशातगंज, आईनाक्स काउन, फैजाबाद रोड चिनहट, आईनाक्स फिनिक्स प्लासियो, गोमतीनगर, आईनाक्स गार्डन गलेरिया, तेलीबाग, पीवीआर फिनिक्स, आलमबाग, पीवीआर सहारागंज, पीवीआर सिंगापुर मॉल, गोमतीनगर, सिनेपोलिस फन रिपब्लिक, गोमती नगर, सिनेपालिस, वन अवध गोमतीनगर, वेद मल्टीप्लेक्स, गोमतीनगर, कृष्णा कार्निदाल, आलमबाग आदि में मुफ्त में फिल्में दिखाई जाएगी।

अधिकार सेना ने दी आंदोलन की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा के त्यागी प्रकरण और भाजपा सांसद महेश शर्मा प्रकरण पर नवगठित अधिकार सेना के संयोजक अमिताभ ठाकुर ने सरकार को घेरते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि शासन प्रशासन ने श्रीकांत त्यागी मामले को गंभीरता से न लेकर पहले तो कोई कार्यवाही नहीं की, लेकिन जब मीडिया में शोर-शराबा हुआ तब चाहे उसके परिवार की महिलाओं को थाने पर लाना हो या फिर उनके घर की पानी व बिजली का कनेक्शन काट देना हो, किसी के भी साथ इस तरह की कार्यवाही न सिर्फ नियम विरुद्ध व निन्दनीय है बल्कि आपराधिक भी है। आधिकार सेना किसी भी नागरिक के साथ हुए उत्पीड़न का विरोध करती है वह व्यक्ति चाहे किसी भी जाति, धर्म, वर्ग या पार्टी का हो। दूसरी ओर भाजपा सांसद महेश शर्मा द्वारा पुलिस कमिश्नर को सार्वजनिक रूप से गाली दिए जाने के मामले में शासन प्रशासन ने अब तक द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने ऐलान किया है कि इन दोनों मामलों में अगर शासन-प्रशासन शीघ्र ही विधिक कार्यवाही नहीं करता है तो आधिकार सेना आंदोलन करेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।